

## संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर ( म.प्र.)

|                       |   |                  |
|-----------------------|---|------------------|
| कक्षा                 | बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.कॉम.ऑनर्स/बी.सी.ए.प्रथम वर्ष |                  |
| सत्र                  | 2019-2020   |                  |
| विषय                  | आधार पाठ्यक्रम  |                  |
| प्रश्न-पत्र           | प्रथम   |                  |
| प्रश्न-पत्र का शीर्षक | हिंदी भाषा और नैतिक मूल्य                               |                  |
| अनिवार्य/वैकल्पिक     | अनिवार्य  |                  |
| अधिकतम अंक            | सैद्धांतिक मूल्यांकन                                    | आंतरिक मूल्यांकन |
| 35                    | 30  | 05               |

### अधिगम (Course Out Come)

1. उच्चारण, वर्तनी एवं लिपि का ज्ञान
2. लेखन, श्रवण एवं अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
3. हिंदी व्याकरण बोध
4. व्यक्तित्व विकास से विविध क्षेत्रों में रोजगार के अवसर
5. सांस्कृतिक मूल्यों का विकास

### पाठ्यक्रम विवरण

|                             |  |
|-----------------------------|--|
| प्रथम इकाई-<br>हिंदी भाषा   | 1. स्वतंत्रता पुकारती (कविता) – जयशंकर प्रसाद<br>2. पुष्प की अभिलाषा (कविता) – माखनलाल चतुर्वेदी<br>3. वाक्य संरचना और अशुद्धियाँ (संकलित)                             |
| द्वितीय इकाई-<br>हिंदी भाषा | 1. पूस की रात (कहानी) – प्रेमचंद<br>2. अप्प दीपो भव (लेख) – स्वामी श्रृधदानंद<br>3. पर्यायवाची, विलोम, एकार्थी, अनेकार्थी एवं शब्दयुग्म शब्द (संकलित)                  |
| तृतीय इकाई-<br>हिंदी भाषा   | 1. भगवान बुद्ध (निबंध) – स्वामी विवेकानंद<br>2. कछुआ धर्म- चंद्रधर शर्मा गुलेरी<br>3. नहीं रुकती है नदी – हीरालाल बाछोटियाँ  |
| चतुर्थ इकाई-<br>हिंदी भाषा  | 1. अफसर (व्यंग्य) – शरद जोशी<br>2. हमारी सांस्कृतिक एकता (निबंध) – रामधारी सिंह दिनकर (एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत)<br>3. संक्षेपण (संकलित)                        |
| पंचम इकाई-<br>नैतिक मूल्य   | 1. नैतिक मूल्य परिचय एवं वर्गीकरण (आलेख) – डॉ. शशि राय<br>2. आचरण की सम्यता (निबंध) – सरदार पूर्णसिंह<br>3. अंतर्ज्ञान एवं नैतिक जीवन (लेख) – डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन |

पाठ्य पुस्तक – हिंदी भाषा और नैतिक मूल्य  
प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल